Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Tribute to Kargil Warriors on Kargil Vijay Diwas

Newspaper: Amar Ujala **Date: 27-07-2023**

भारतीय सेना के बलिदान को नमन: प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़। कारगिल विजय दिवस की 24वीं वर्षगांठ के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम को नमन किया गया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड तीन में स्थित विद्या वीरता स्थल पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पुष्प अर्पित कर सेना के वीर योद्धाओं के त्याग, बलिदान व देश के प्रति समर्पण को याद किया।

इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. संजीव कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, प्रो. हरीश कुमार, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. रणवीर सिंह, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. पायल चंदेल, प्रो. अंतरेश, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. सुनीता तंवर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी व शिक्षणेतर कर्मचारी उपस्थित रहे। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Chetna **Date: 27-07-2023**

भारतीय सेना के बलिदान को नमन: प्रो. टंकेश्वर

कारगिल विजय दिवस पर विद्या वीरता स्थल पर पुष्प अर्पित कर जवानों को दी श्रद्धांजलि

महेन्द्रगढ़। चेतना ब्यूरो।

कारगिल विजय दिवस की 24वीं वर्षगांठ के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम को नमन किया गया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खण्ड तीन में स्थित विद्या वीरता स्थल पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीप प्रज्जवलित व पुष्प अर्पित कर सेना के वीर योद्धाओं के त्याग, बलिदान व देश के प्रति समर्पण को याद किया। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि कारगिल युद्ध भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम का परिचायक है। इस युद्ध की सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। कुलपति ने इस लड़ाई में अपनी जान गंवाने वाले सैनिकों के बलिदान को याद किया और उसे सर्वोच्च बलिदान बताया। उन्होंने कहा कि इस युद्ध के परिणाम ने एक बार फिर से साबित किया कि भारतीय सेना सीमा की रक्षा करने और दुश्मन को मुँह तोड़ जबाव देने में पूरी तरह से सक्षम है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कारगिल की विजय पर अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों को याद करते हुए उनके परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी इस अवसर पर वीर सैनिकों के बलिदान को याद किया और कहा कि हम सदैव उनके ऋणी रहेंगे। इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. संजीव कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, प्रो. हरीश कुमार, डॉ. संतोष सीएच, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. रणवीर सिंह, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. पायल चंदेल, प्रो. अंतरेश, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. सुनीता तंवर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी व शिक्षणेतर कर्मचारी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 27-07-2023**

भारतीय सेना के बलिदान को नमन : प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: कारगिल विजय दिवस की 24वीं वर्षगांठ के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम को नमन किया गया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड तीन में स्थित विद्या वीरता स्थल पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर सेना के वीर योद्धाओं के त्याग, बलिदान व देश के प्रति समर्पण को याद किया। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि कारगिल युद्ध भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम का परिचायक है। इस युद्ध की सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

कुलपति ने इस लड़ाई में अपनी जान गंवाने वाले सैनिकों के बलिदान को याद किया और उसे सर्वोच्च बलिदान बताया। उन्होंने कहा कि इस युद्ध के परिणाम ने एक बार फिर से साबित किया कि भारतीय सेना सीमा की रक्षा करने और दुश्मन को मुंह तोड़ जबाव देने में पूरी तरह से सक्षम है।

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के बाद कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार विश्वविद्यालय सहभागियों के साथ • सौ. हकेंवि

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कारगिल की विजय पर अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों को याद करते हुए उनके परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी इस अवसर पर वीर सैनिकों के बलिदान को याद किया और कहा कि हम सदैव उनके ऋणी रहेंगे।

इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. संजीव कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, प्रो. हरीश कुमार, पुस्तकालयाध्यक्ष डा. संतोष सीएच, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. रणवीर सिंह, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. पायल चंदेल, प्रो. अंतरेश, डा. रमेश कुमार, डा. सुनीता तंवर, डा. राजेंद्र प्रसाद मीणा सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी व शिक्षणेतर कर्मचारी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 27-07-2023**

भारतीय सेना के बलिदान को नमन : प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़, 26 जुलाई (हप्र)

कारगिल विजय दिवस की 24वीं वर्षगांठ पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम को नमन किया गया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड तीन में स्थित विद्या वीरता स्थल पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीप प्रज्जवलित व पुष्प अर्पित कर सेना के वीर योद्धाओं के त्याग, बलिदान व देश के प्रति समर्पण को याद किया। कुलपति ने कहा कि कारगिल युद्ध भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम का परिचायक है। इस युद्ध की सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। कुलपति ने इस लड़ाई में अपनी जान गंवाने वाले सैनिकों के बलिदान को याद किया और उसे सर्वोच्च बलिदान बताया। उन्होंने कहा कि सेना के बलिदान को नमन है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी सैनिकों के बलिदान को याद किया। इस मौके पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. राजीव कौशिक, प्रो. हरीश कुमार, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. रणवीर सिंह, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. पायल चंदेल, प्रो. अंतरेश, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. सुनीता तंवर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा उपस्थित रहे।

दैनिक ट्रिब्यून Thu, 27 July 2023
https://epaper.dainiktribun

Central University of Haryana

NAAC Accredited ‘A’ Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 27-07-2023**

भारतीय सेना के बलिदान को नमन: प्रो. टंकेश्वर कुमार

विद्या वीरता स्थल पर पुष्पार्पित कर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

कारगिल विजय दिवस की 24वीं वर्षगांठ के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) में भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम को नमन किया गया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खण्ड तीन में स्थित विद्या वीरता स्थल पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर सेना के वीर योद्धाओं के त्याग, बलिदान व देश के प्रति समर्पण को याद किया। कुलपति ने कहा कि कारगिल युद्ध भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम का परिचायक है। इस युद्ध की सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि हम सदैव उनके ऋणी रहेंगे। इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. संजीव कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, प्रो. हरीश कुमार, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. रणवीर सिंह, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. पायल चंदेल, प्रो. अंतरेश, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. सुनीता तंवर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी व शिक्षणेतर कर्मचारी उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। हकेवि में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते स्टॉफ सदस्य तथा कारगिल विजय दिवस पर प्रस्तुति देते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल में त्रिवेणी लगाकर मनाया कारगिल विजय दिवस

महेंद्रगढ़। राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय में प्राचार्य डॉ. अश्वनी यादव ने त्रिवेणी लगाकर कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष पर शहीदों को याद करते हुए उनको श्रद्धांजलि दी और त्रिवेणी लगाकर विद्यालय में कारगिल विजय दिवस मनाया। प्राचार्य ने बताया कि आज ही के दिन 26 जुलाई 1999 को भारतीय सेना ने अपने शौर्य और गौरव का परिचय देते हुए देश की सरहद से पाकिस्तानी आतंकवादियों को खदेड़ कर विजय हासिल की थी। इस अवसर पर देश के शहीदों को उन्होंने नमन किया और पर्यावरण संरक्षण के रूप में त्रिवेणी लगाई। प्राचार्य ने बताया कि प्रकृति संरक्षण के लिए हमें पौधारोपण करना और उनकी देखभाल करना बहुत ही आवश्यक है। वृक्ष हमारे जीवन में बड़े ही महत्त्वपूर्ण है। वृक्ष प्रकृति के उपहार हैं इनको लगाकर और उनका संरक्षण करके हमें पर्यावरण स्वच्छ बनाने में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने छात्रों को भी अपने जीवन में अधिकाधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित किया।

महेंद्रगढ़। मौन धारण कर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए।

किड्जी स्कूल में कारगिल विजय दिवस पर कार्यक्रम

महेंद्रगढ़। सिटी किड्जी वर्ल्ड स्कूल में कारगिल दिवस को विजय दिवस के रूप में मनाया गया। विजय दिवस मनाने का उद्देश्य भारतीय सेना के शौर्य रूपी अदम्य साहस को प्रदर्शित करना है। विद्यालय के शिक्षकों ने विद्यार्थियों को कारगिल युद्ध के बारे में बताते हुए कहा कि यह युद्ध 1999 में भारत व पाकिस्तान की सेनाओं के बीच 60 दिनों तक चला, जिसमें भारतीय सेना विजयी हुई। विद्यार्थियों ने फौजी ड्रेस पहनकर अपनी देशभक्ति के मनोभाव प्रकट किए, वहीं कविता, कहानी व विचारों के माध्यम से कार्यक्रम को चार चांद लगाए गए। विद्यार्थियों ने देशभक्ति के नारे लगाते हुए सभी 527 वीर जवानों को नमन किया। मैनेजिंग डायरेक्टर नितिन यादव ने कहा कि हिमालय से भी ऊंचा था हमारे शहीदों का साहस। इन शहीदों ने भारतीय सेना के शौर्य व बलिदान की उस सवार्ेच्च परंपरा का निर्वाह किया जिसकी सौगंध हर सिपाही तिरंगे के समक्ष लेता है। चेयरमैन विजय सिंह यादव ने अमर शहीदों को नमन करते हुए कहा कि मातृभूमि पर सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर बलिदानी भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं मगर इनकी यादें हमारे दिलों में हमेशा हमेशा के लिए बसी रहेगी। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Impressive Times **Date: 27-07-2023**

Tribute to soldiers at Vidya Veerta Sthal on Kargil Vijay Day

TIT Correspondent
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH : On the occasion of 24th anniversary of Kargil Vijay Diwas, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh paid tribute to the bravery and valor of the Indian Soldiers. The Vice-Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar remembered the sacrifice, martyrdom and dedication of the brave soldiers of the army by lighting the lamp and offering flowers at the Vidya Veerta Sthal in Academic Block 3 of the University. On this occasion, the Vice Chancellor said that the Kargil war is a reflection of the bravery and valor of the Indian Army. The success of this war is a source of inspiration for the youth. The Vice Chancellor remembered the sacrifice of the soldiers who lost their lives in this battle and described it as the supreme sacrifice. He said that the result of this war proved once again that the Indian Army is fully capable of defending the border and giving a befitting reply to the enemy. Prof. Tankeshwar Kumar in his address expressed his condolences to the families of the brave soldiers who sacrificed their lives for the victory of Kargil. Prof. Sunil Kumar, Registrar also remembered the sacrifice of the brave soldiers on this occasion and said that we will always be indebted to them. On this occasion Prof. Sunita Srivastava, Prof. Sanjiv Kumar, Controller of Examinations Prof. Rajiv Kaushik, Prof. Harish Kumar, Librarian Dr. Santosh CH, Prof. Sarika Sharma, Prof. Ranveer Singh, Prof. Surendra Singh, Prof. Payal Chandel, Prof. Antresh Kumar, Dr. Ramesh Kumar, Dr. Sunita Tanwar, Dr. Rajender Prasad Meena were present along with the Head of various departments, teachers, officers and non-teaching staff.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 27-07-2023**

भारतीय सेना के बलिदान को नमन: प्रो. टंकेश्वर

■ विद्या वीरता स्थल पर पुष्प अर्पित कर जवानों को दी श्रद्धांजलि

कार्यक्रम के बाद कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार विश्वविद्यालय सहभागियों के साथ।

महेंद्रगढ़, 26 जुलाई (परमजीत, मोहन): कारगिल विजय दिवस की 24वीं वर्षगांठ के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम को नमन किया गया।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड 3 में स्थित विद्या वीरता स्थल पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर सेना के वीर योद्धाओं के त्याग, बलिदान व देश के प्रति समर्पण को याद किया।

कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि कारगिल युद्ध भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम का परिचायक है। इस युद्ध की सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

कुलपति ने इस लड़ाई में अपनी जान गंवाने वाले सैनिकों के बलिदान को याद किया और उसे सर्वोच्च बलिदान बताया। उन्होंने कहा कि इस युद्ध के परिणाम ने एक बार फिर से साबित किया कि भारतीय सेना सीमा की रक्षा करने और दुश्मन को मुंह तोड़ जबाव देने में पूरी तरह से सक्षम है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कारगिल की विजय पर अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों को याद करते हुए उनके परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी इस अवसर पर वीर सैनिकों के बलिदान को याद किया और कहा कि हम सदैव उनके ऋणी रहेंगे।

इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. संजीव कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, प्रो. हरीश कुमार, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. रणवीर सिंह, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. पायल चंदेल आदि उपस्थित रहे।